हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 17 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार,07 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2022

खुद को बचाने के लिए परमबीर और वाजे ने मिलाया हाथ

जेल में बंद अनिल देशमुख का बड़ा दावा

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने एक मामले में स्थानीय अदालत में दी गई अपनी जमानत अर्जी में बड़ा दावा किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अनिल देशमुख ने कहा है कि मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह और बर्खास्त किए गए पुलिसकर्मी सचिन वाजे ने सांठगांठ की और खुद को बचाने के लिए उनपर आरोप लगाए। सीबीआई की विशेष अदालत को गुरुवार को दी गई अर्जी में एनसीपी नेता ने यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप सिर्फ जांच एजेंसियों की ह्यसनक और कल्पनाओं पर आधारित हैं, जो उन बयानों पर भी सवाल उठाते हैं जिनके आधार पर उइकने यह पूरा मामला बनाया है।गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जा रही धन शोधन मामले की जांच के तहत राकांपा के 73 वर्षीय नेता को नवंबर, 2021 में गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल ऑर्थर रोड जेल में बंद हैं। बंबई उच्च न्यायालय ने ईडी द्वारा दर्ज धन शोधन के मामले में मंगलवार को उन्हें जमानत दे

दी लेकिन साथ ही 13 अक्टूबर तक के लिए स्थगनादेश भी जारी किया, जिसके कारण एजेंसी फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर पा रही है।वहीं, सीबीआई देखमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले की जांच भी कर रही है। देखमुख ने भ्रष्टाचार के मामले में अपने वकीलों अनिकेत निकम और इन्द्रपाल सिंह के माध्यम से सीबीआई की विशेष अदालत में न्यायाधीश एस. एच. ग्वालानी के समक्ष जमानत अर्जी दी है। अर्जी में कहा गया है कि, सीबीआई का पूरा मामला जिस बयान पर आधारित है वह पूरी तरह संदेहास्पद है और उन सभी लोगों की साख पर गंभीर सवाल उठाता है। अर्जी में कहा गया है, पूरा मामला परमबीर सिंह और भ्रष्ट पुलिसकर्मी सचिन वाजे के बयानों पर आधारित है, जिनके खिलाफ तमाम ठोस सबूत उपलब्ध हैं कि बार मालिकों से अवैध रूप से हप्ता वसूलने में वह अकेला शामिल था।

ह्न देशमुख की जमानत अर्जी में दावा किया गया है, ह्यह बेहद गंभीर चिंता का विषय है कि सचिन वाजे, जो वर्षों तक निलंबित रहा, उसकी वापस बहाली की गई और तत्कालीन पुलिस आयुक्त ने उसे महत्वपूर्ण काम सौंपे। उसमें कहा गया है, ह्यदोनों ने आपस में सांठगांठ की और अपने आप को बचाने के लिए आवेदक (देशमुख) पर आरोप मढ दिए।

शिवसेना के सिंबल की रेस में भी बाजी मारेंगे एकनाथ शिंदे? अगले 24 घंटों में आ सकता है आयोग का फैसला

मुंबईः दशहरे के मौके पर मुंबई में एक तरफ उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट की अलग-अलग रैलियां चल रही थीं तो वहीं दिल्ली में भी हलचल तेज थी। मुंबई में जिस वक्त दशहरा रैली चल रही थी, उसी दौरान शिवसेना का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में चुनाव आयोग के दरवाजे पर पहुंचा। दरअसल माना जा रहा है कि इस दौरान उद्धव ठाकरे गुट के नेताओं ने चुनाव आयोग को कई सबूत सौंपे और दावा किया कि पार्टी के सिंबल धनुष-बाण पर उनका ही हक बनता है। इस पर चुनाव आयोग की ओर से शुक्रवार को फैसला सुनाया जा सकता है। यानी इस अहम निर्णय में अब 24 घंटे का ही वक्त बचा है।चुनाव आयोग की ओर से एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट को सिंबल को लेकर अपने दावे पेश करने के लिए 7 अक्टूबर तक का वक्त दिया गया था। ऐसे में अब उसकी ओर से फैसले की बारी है। शिवसेना के वरिष्ठ नेता आज वकीलों से मिलेंगे। इस बैठक में चुनाव आयोग को क्या जवाब दिया जाए, किस तरह के सबूत पेश किए जाएं, इस पर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि शिवसेना की ओर से कुछ और समय की मांग भी की जा सकती है।

हालांकि, अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव भी होने वाला है। ऐसे में सिंबल को लेकर आयोग स्थिति क्लियर कर सकता है। कहा जा रहा है कि उपचुनाव के चलते ही चुनाव आयोग हरकत में आ गया है। अगले कुछ घंटों में यानी शुक्रवार को चुनाव आयोग धनुष-बाण चिह्न को लेकर अहम फैसला दे सकता है। ऐसे में दोनों ही गुटों की इस बात पर नजर होगी कि सिंबल किसके पाले में जाता है। मुंबई में अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव 3 नवंबर को हो रहा है। उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस उपचुनाव से पहले धनुष बाण पर फैसला दे देगा। महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष का मामला सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के समक्ष लंबित था।

कालेज छात्रा के सामने मास्टरबेट करने वाले को पुलिस ने 100 दिनों के बाद पकड़ा

मुंबई। पुलिस महिला अपराधों को लेकर काफी संवेदनशील है, यह आपको इस घटना से पता चलता है। कालेज जाने वाली लड़की के सामने मास्टरबेट करने वाले आरोपी को गमदेवी पुलिस ने करीब 100 दिनों के बाद गिरफ्तार किया है। इसके लिए पुलिस ने दो हजार से अधिक पर्चे प्रकाशित किए। आरोपी ने अपने कुत्ते के साथ टहलने निकली लड़की के सामने ऐसी हरकत की। पीड़ितों ने मुंबई पुलिस के लिए एक संदेश लिखा है ह्याजिसमें कहा गया है कि यदि आप कभी भी इसी तरह की घटना की रिपोर्ट करने से हिचकिचाते हैं या आश्चर्य करते हैं कि क्या इसके साथ पुलिस जाने का कोई मतलब है, तो मैं आपको ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करते हूंमुंबई पुलिस के अधिकारी के मुताबिक, 17 जून को शाम करीब साढ़े छह बजे एक शख्स ने 23 साल की कालेज छात्रा के सामने अपने कपड़े उतारकर मास्टरबेट किया, जो कुत्ते के साथ कैनेडी ब्रिज के नीचे टहल रही थी। लेकिन किसी ने मदद नहीं की क्योंकि आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में घटना की सूचना गामदेवी पुलिस स्टेशन को दी गई, जिसने आईपीसी की धारा 509 के तहत प्राथमिकी दर्ज की। जोन 02 के डीएसपी नीलोत्पल ने कहा कि मुंबई पुलिस ने इलाके के 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया।

Mental health matters.

Whats App: +91 720421116

* I don't prescribe medicines

INDIVIDUAL COUNSELING

TEEN COUNSELING

COUPLES/MARRIAGE COUNSELING

Dr Vihar Sanyal

PSYCHOTHERAPIST

WWW.MINDFACTORY.CO.IN

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says "MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

हमें गद्दार और खोकासुर कहा गया, हमने गद्दारी नहीं गदर किया- एकनाथ शिंदे

मुंबईः शिवसेना के इतिहास में पहली बार दो जगह दशहरा रैली हुईं। शिवाजी पार्क में उद्धव ठाकरे की रैली हुई, उन्होंने कहा- शिवसैनिक कटप्पा को माफ नहीं करेंगे। वहीं इडउ ग्राउंड पर सीएम एकनाथ शिंदे की रैली में ठाकरे परिवार के कई लोग शामिल हुए। शिंदे ने कहा- हमने गद्दारी नहीं, गदर (क्रांति) की। क्योंकि, वे जनता और हिंदुत्व के साथ गद्दारी कर रहे थे।

शिंदे बोले- गर्व से कहो हम हिंदू हैं एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज, बाला साहेब ठाकरे के जयघोष के साथ

अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने सबसे पहले कहा- गर्व से कहो हम हिंदू है। मीडिया के मन में सवाल था कि असली शिवसेना कहा है। यहां मौजूद भीड़ को देखकर आप समझ गए होंगे कि बाला साहेब के विचारों के असली वारिस कहां हैं। आप न्यायालय जाकर शिवाजी पार्क ले सकते हैं। मैं राज्य का मुख्यमंत्री हूं, इसलिए मैदान देने के मामले में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। मैंने सबसे पहले आवेदन किया था। हमें मैदान मिल सकता था। कानून-व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी हमारी है। मैदान भले ही हमें नहीं मिला, लेकिन शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के विचार हमारे साथ हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा- हम बाला साहेब ठाकरे के विचारों के उत्तराधिकारी हैं। हमारा रिमोट एनसीपी को सौंपा हजारों शिवसैनिकों ने अपना खून-पसीना जिस पार्टी के लिए बहाया, उस पार्टी को आपने कांग्रेस और एनसीपी के आगे गिरवी रख दिया। बाला साहेब रिमोट से सरकारें चलाते थे। आपने अपना रिमोट राष्ट्रवादी और कांग्रेस के हाथ में दिया। बाला साहेब ने जिन्हें हरामखोर कहा, उनके हाथ आपने शिवसेना को बांध दिया। इसलिए हमने शिवसेना के सम्मान के लिए यह कदम उठाया। खुलेआम उठाया। मुझे सबका समर्थन मिल रहा है।

हम बाला साहेब के विचारों के वारिस शिवसेना न उद्धव ठाकरे की है, न एकनाथ शिंदे की है। यह सिर्फ बाला साहेब ठाकरे के विचारों की और तमाम शिवसैनिकों की शिवसेना है। हम बाला साहेब के विचारों को कभी नहीं छोड़ेंगे। हम सब बाला साहेब के निष्ठावान शिवसैनिक हैं। बाला साहेब के विचारों के असली विरासतदार उनके शिवसैनिक है।

हमें गद्दार और खोकासुर कहा गया। हां, गद्दारी हुई है। वो गद्दारी 2019 में हुई है। जो गठबंधन बनाया, वो बाला साहेब के विचारों से गद्दारी हुई, हिंदुत्व से गद्दारी हुई। महाराष्ट्र की जनता से गद्दारी हुई। चुनाव में बाला साहेब और नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगाकर वोट मांगे थे।

कांदिवली में हीरे 'छीनने' के आरोप में 2 क्लीन-अप मार्शल गिरफ्तार, 10 लाख रुपये का सोना बरामद

मुंबई : समता नगर पुलिस ने कांदिवली (पूर्व) में राजगुरु पुल पर 52 वर्षीय आभूषण लाने वाले से 10 लाख रुपये के सोने और हीरे से युक्त एक बैग चोरी करने के आरोप में दो क्लीन-अप मार्शल को गिरफ्तार किया है।

आरोपी - की पहचान राहुल गवणे (37) और आशीष गुप्ता (30) के रूप में हुई - क्रमशः कांदिवली (पूर्व) और क्रांति नगर कांदिवली (पूर्व) में संस्कार समाज के निवासी, कथित तौर पर पहले भी इसी तरह के अपराध में शामिल थे, जिसकी एक प्राथमिकी थी अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि कस्तूरबा मार्ग पुलिस थाने में पंजीकृत है, दोनों ने सफाई मार्शल के रूप में काम किया। नालासोपारा निवासी शिकायतकर्ता ने प्राथमिकी में कहा कि वह कांदिवली (पूर्व) में एक आभूषण कंपनी में काम करता है और वह सोने और हीरे के परिवहन का काम करता है। इस साल 27 सितंबर को दोपहर करीब 2.30 बजे, जब शिकायतकर्ता ड्यूटी पर था और कांदिवली (पश्चिम) से कांदिवली (पूर्व) जा रहा था, 10 लाख रुपये के सोने और हीरे के साथ दो लोगों ने उसे रोका और उसे अपना बैग खोलने के लिए कहा। , एक यादच्छिक सुरक्षा जांच के हिस्से के रूप में, यह देखने के लिए कि क्या वह इसमें ड्रग्स ले जा रहा था। इसके बाद दोनों ने 52 वर्षीय पीड़िता से गहने के बिल दिखाने को कहा, जिसका उल्लेख बैग में ही था। दोनों व्यक्ति बैग लेकर चलने लगे और शिकायतकर्ता को उनका पीछा करने के लिए कहा, यह कहते हुए कि राजगुरु पुल के नीचे एक वैन में एक ह्वरिष्ठह्व अधिकारी बिलों की जांच करेगा। पुलिस ने कहा कि रास्ते में, दोनों अचानक एक मोटरसाइकिल पर बैठ गए और शिकायतकर्ता द्वारा वाहन का पंजीकरण नंबर नोट करने से पहले ही मौके से फरार हो गए।

मुंबई वर्ली में हिट एंड रन में गर्भवती महिला की मौत

मुंबई में बांद्रा-वर्ली सी लिंक दुर्घटना से कुछ घंटे पहले, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई, देवी दर्शन के बाद अपने पति के साथ बाइक पर यात्रा कर रही एक 30 वर्षीय गर्भवती महिला की मौके पर ही एक हिट एंड रन दुर्घटना में मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 12.45 बजे कोटक महिंद्रा बैंक और एम ए पोदार अस्पताल के पास डॉ एनी बेसेंट रोड पर हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने 30 वर्षीय रोहिणी परदेसी और उनके 29 वर्षीय पति दीपक परदेसी को टक्कर मार दी, जो अपने घर लौट रहे थे। मुंबई सेंट्रल में घर। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना पीड़ितों को कोई मदद दिए बिना भारी वाहन मौके से फरार हो गया। ह्वर्ली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल कोली ने बताया की चार माह की गर्भवती रोहिणी भारी वाहन के पहिए के नीचे चली गई, जबकि बाइक से फेंका गया दीपक मामूली रूप से घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि महिला को बी वाई एल नायर अस्पताल ले जाया गया जहां भर्ती से पहले उसे मृत घोषित कर दिया गया।

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की बदौलत हमने भारी वाहन की पहचान कर ली है और उसके चालक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं,

पुलिस ने कहा कि भारी वाहन का इस्तेमाल मेट्रो से संबंधित काम के लिए किया जा रहा था और दुर्घटना के समय खाली था। वाहन के चालक पर लापरवाही से मौत का कारण बनने और भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के तहत हिट एंड रन का मामला दर्ज किया गया है।

दंपति शिवाजी पार्क में एक देवी मंडल से दर्शन करके लौट रहे थे। दो साल पहले दोनों की शादी हुई थी। एक पारिवारिक मित्र ने बताया कि दीपक एक डिलीवरी बॉय था और रोहिणी के पास अकाउंटिंग से संबंधित नौकरी थी।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

क्या त्योहारी मौसम में सुधरेगा बाजार

बाजार में माल कम हो और मांग ज्यादा, तो कीमतें बढ़ती हैं। मांग कम हो, तो बाजार में माल सप्लाई करने वालों का कारोबार मुश्किल में आ जाता है। कम माल बनाने पर बहुत से कारखानों के लिए लागत निकालना टेढ़ी खीर हो जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि वे माल बनाना बंद कर देते हैं या फिर कम कर देते हैं। हालात ज्यादा बिगड़े, तो यही पूरे देश में मंदी का कारण बन जाता है। मुसीबत और बड़ी हो जाती है, जब महंगाई और मंदी का खतरा एक साथ खड़ा हो जाए। इसी को ह्यस्टैगफ्लेशन कहा जाता है। ह्यस्टैगनेशन यानी ठहराव और ह्यइंफ्लेशन यानी महंगाई की जुगलबंदी।आज इस पर बात करने की वजह यह है कि पिछले कई महीनों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में इसी जुगलबंदी की आशंकाएं पैदा होती दिख रही हैं। यह आशंका भी बढ़ती जा रही है कि दुनिया गंभीर आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। बताया जाता है कि इस आशंका की बड़ी वजह कोरोना के बाद दुनिया भर में लगे लॉकडाउन और उसके कारण कारोबार के नट-बोल्ट का ढीले हो जाना है। यूक्रेन पर रूस का हमला इस बीमारी को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। हालांकि, विद्वान बीमारी की जड़ कहीं और मानते हैं। वर्ष 2008 में सितंबर का महीना था, जब दुनिया के सबसे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंकों में से एक लेहमन ब्रदर्स ने दिवालिया होने का एलान किया और पूरी दुनिया की वित्तीय व्यवस्था को एक तगड़ा झटका दिया। इसके बाद के घटनाक्रम को ही 2008 के वित्तीय संकट के रूप में जाना जाता है। इस एलान के पहले और बाद के करीब दो साल के दौरान अमेरिकी शेयर बाजार में सात लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। बेरोजगारी दर में खतरनाक उछाल आई और वह 10 प्रतिशत पर पहुंच गई। सिर्फ अमेरिका में घरों की कीमत और लोगों के पेंशन-खातों में जमा रकम में आई गिरावट का आंकड़ा करीब 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया था। इसी का असर था कि दुनिया भर के ज्यादातर शेयर बाजार गश खाकर गिरते जा रहे थे। हालांकि, बाद में बाजार सुधर गए और मकानों की कीमतें भी बढ़ने लगीं, लेकिन जिन लोगों की जिंदगी पटरी से उतर चुकी थी, उनकी मुसीबतें आज तक खत्म नहीं हुई हैं। चर्चित रेटिंग एजेंसी मूडीज ने हिसाब जोड़ा कि दुनिया की जीडीपी को लगभग चार प्रतिशत का झटका इस आर्थिक संकट की वजह से लगा, यानी लगभग दो लाख करोड़ डॉलर की चपत। भारत इस संकट से करीब-करीब अछूता रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह बताई जाती है कि तमाम लालच और दबाव के बावजूद रिजर्व बैंक के तत्कालीन गवर्नर वाई वी रेड्डी ने भारतीय बैंकों को एक हद से ज्यादा जोखिम उठाने का मौका ही नहीं दिया। आज की तारीख में भी सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और चीन जैसे देश मंदी की चपेट में जाते हुए दिख रहे हैं, तो भारत कैसे और कब तक इस खतरे से बचा रह सकता है ?सवाल इसलिए उठ रहा है, क्योंकि साल 2008 के मुकाबले आज भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार दुनिया के दूसरे बाजार से काफी ज्यादा जुड़े हुए हैं। रिजर्व बैंक अमेरिका और यूरोप के केंद्रीय बैंकों के साथ कदमताल करते हुए ब्याज दरें लगातार बढ़ा रहा है।

घटती सामाजिकता में छिपी हिंसा

पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और देश के अन्य महानगरों में शहरी हिंसा के बदलते प्रोफाइल की दिलचस्प छवियां दिखाई पड़ीं। ऐसा नहीं था कि यह हिंसा कोई आकस्मिक परिघटना हो। फर्क सिर्फ इतना आया है कि तकनीक ने अब इसे ढका-छिपा नहीं रहने दिया है। पिछले एक महीने में ही देखें, तो देश की राजधानी से सटे अकेले नोएडा में ही आधे दर्जन से अधिक वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें उच्च मध्य वर्ग की सोसायटियों में महिलाएं गार्ड या पड़ोसियों या टैक्सी चालकों की पिटाई करती दिख रही हैं। कुछ में तो वे ऐसी गालियों का वर्जना मुक्त इस्तेमाल कर रही हैं, जिन पर प्रचलित मान्यता के अनुसार, सिर्फ मर्दों का ही अधिकार था। अब तक कहां छिपी थी यह हिंसा?

यह भारतीय मानस में छिपी वह हिंसा है, जिसे प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया क्रूर कायरता कहते थे। इस हिंसा में अपने से ताकतवर के आगे तो समर्पण और कमजोर पर ज्यादती हमारे व्यवहार का अंग होता है। अपने मोहल्ले के गुंडे के आगे दुम हिलाने वाले लोग बस अड्डे पर पकड़े गए जेबकतरे पर अपनी बहादुरी का प्रदर्शन करते हैं। हालिया हिंसा के मामलों में भी पिटने वाले अक्सर गार्ड या घरों में काम करने वाले थे। शहरी हिंसा के ये बढ़ते हुए मामले कई अर्थों में हमारी पारंपरिक समझ की पकड़ के बाहर हैं और एक विस्तृत समाजशास्त्रीय अध्ययन की मांग करते हैं।

बेतरतीब शहरीकरण के चलते बड़ी संख्या में अपनी जड़ों से उखड़ेहुए लोग आकर महानगरीय सोसायटियों में बस रहे हैं। अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले परिवारों के बीच अपरिचय के विंध्याचल पसरे होते हैं और अक्सर एक-दूसरे के बारे में उनके पास बुनियादी जानकारी भी नहीं होती है। अलगाववाद की यह स्थिति कार्ल मार्क्स की उस शास्त्रीय परिकल्पना से भिन्न है, जो उन्होंने कामगारों की नियति को ध्यान में रखते हुए गढ़ी थी, पर है उतनी ही कारुणिक और अंदर से तोड़ देनी वाली। जिन गांवों, कस्बों या छोटे शहरों को छोड़कर ये नए रहवासी इन गगनचुंबी इमारतों में रहने आए हैं, वहां निजता के मूल्य का कोई अर्थ नहीं है। पड़ोसी यहां तक जानते हैं कि बगल वाले घर की रसोई में क्या पक रहा है। एक खास तरह की सामाजिकता है, जिसमें हर कोई एक-दूसरे के सुख-दुख में शरीक होता है। इसके बरक्स अपार्टमेंट में पड़ोसी को उसके दरवाजे पर टंगे नेम प्लेट की इबारत से ही पहचानते हैं। कभी-कभार लिफ्ट में मिल जाने पर दुआ-सलाम तक सीमित ये संबंध किसी अंतरंगता का निर्माण नहीं कर सकते। ऐसे में, स्वाभाविक ही है कि यह अलगाववाद प्रेम, पारस्परिकता और सद्भाव के लिए जीवन में स्थान संकुचित करता जाता है। इन बहुमंजिली इमारतों की जिंदगी में यह तो स्वाभाविक ही है कि उनके निवासी ज्यादा सहजता से अपना धैर्य खो देते हैं। समाज में बढ़ रही गैर-बराबरी इसमें उत्प्रेरक की भूमिका निभाती है। महानगरों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। किसी भी बड़े शहर में सुरक्षा गार्ड, डिलिवरी बॉय या मेड जैसी नौकरियों में लाखों लोग कार्यरत हैं। गांवों में रोजगार के अभाव के चलते वहां से शहरों में आए लोग कम वेतन पर देर तक काम के लिए राजी हैं। अस्वास्थ्यकर रिहाइशों में रहते और पर्याप्त भोजन या मनोरंजन की बुनियादी सुविधाओं से वंचित इनका सामना उस मध्यवर्ग से पड़ता है, जो खुद भी अलग-थलग पड़ा बहुत से कोमल तत्वों से वंचित हो चुका है। स्वाभाविक है कि इस संपर्क से तनाव के ऐसे बिंदु उत्पन्न होते हैं, जिनकी सहज परिणति वाचिक या शारीरिक हिंसा में होती है। यहां एक निर्णायक फर्क तकनीक ने पैदा कर दिया है। फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी की सुविधा सहज और सस्ती उपलब्ध है, जिसे हम सर्वहारा के प्रतिरोध के रूप में देख सकते हैं। पुलिस-ज्यादती की कई घटनाएं सिर्फ वीडियो वायरल होने से सार्वजनिक हो पाईं और दोषियों को दंडित किया जा सका। इसी तरह, सिर्फ एक हफ्ते में नोयडा की दो घटनाओं में सिक्योरिटी गार्ड ने वीडियो बनाकर दो मगरूर अपार्टमेंट निवासी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करा दी। महिलाओं ने एक मनबढ़ नेता को भी उसकी हरकतों की वीडियो बनाकर जेल भिजवा दिया। थाने में 6 नाबालिगों को नंगा कर पीटा, गुप्तांग में मिर्ची डालने और सिगरेट से दागने की धमकी; रढ को जांच का आदेश

आत्मकेंद्रित परिवारों में हिंसा कई रूपों में दिखती है। मेरे एक पड़ोसी दंपति रोज चहकते-टहलते मिलते थे। दोनों अस्सी के आस-पास हैं और पति प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्म में रंगे-बसे हैं। टहलते समय उन्होंने मुझे भी ह्यसुधारनेह्व की कोशिश की, मगर कुछ ही दिनों में निराश होकर अपना इरादा छोड़ दिया, पर सुबह साथ टहलने के सुख से वंचित नहीं किया। उनके साथ टहलने का एक आनंद यह भी है कि वे ही बोलते रहते हैं और मुझे चुपचाप टहलने का भरपूर मौका मिलता है। उनका प्रिय विषय अपने बेटे-बहू और पौत्र-पौत्री की कामयाबी है। उस दिन भी मुझे इसी प्रलाप की प्रतीक्षा थी, मगर वह चुपचाप टहल रहे थे। अचानक उन्होंने चहकने का प्रयास करते हुए कहा कि कल देर रात उनका बेटा और बहू अपने दोनों बच्चों को लेकर यूरोप चले गए। उन्होंने एक बार और चहकने का प्रयास किया और बताया कि उनकी तनख्वाहें अब सात अंकों में पहुंच गई हैं। एक और प्रयास किया चहकने का, जब यह सूचना दी कि वे तो उन्हें भी साथ ले जा रहे थे, पर उनकी पत्न ी ही राजी नहीं हुई। ह्यप्रयासह्व मैंने इसलिए कहा कि हर वाक्य के बाद वह कनखियों से मुझे देखते और हर बार उन्हें असुविधा से बचाने के लिए मैं दूसरी तरफ देखने लगता था।

एसवाई कुरैशी को पसंद आई जनसंख्या पर भागवत की टिप्पणी, ओवैसी बोले- अगर हिंदू मुस्लिम का DNA एक है तो....

नई दिल्लीः दशहरा के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक "व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति" की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी "जनसंख्या नियंत्रण नीति" होनी चाहिए जो सभी पर "समान" रूप से लागू हो। उन्होंने कहा कि "जनसंख्या असंतुलन" पर नजर रखना राष्ट्रीय हित में है। हिंदू-मुस्लिम एकता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जब समाज को विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं तो ऐसे में "हमें एक साथ रहना होगा।" भागवत की ये टिप्पणियां पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी को खूब पसंद आईं।

एस वाई कुरैशी ने बुधवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीति पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी "संतुलित" है क्योंकि उन्होंने किसी खास समुदाय पर उंगली नहीं उठाई। अपनी पुस्तक 'द पॉपुलेशन मिथः इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' में मुस्लिम जनसंख्या से संबंधित कई मिथकों का भंडाफोड़ करने वाले कुरैशी ने कहा कि भागवत का विचार सही है कि परिवार नियोजन को भारतीय समाज के सभी वर्गों द्वारा अपनाया जाना चाहिए। कुरैशी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक के विजयादशमी भाषण का बहुत बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है और मीडिया का ध्यान आबादी से संबंधित उनकी टिप्पणी पर है। भागवत ने बुधवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को व्यापक सोच के बाद जनसंख्या नीति तैयार करनी चाहिए और यह सभी समुदायों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समुदाय आधारित जनसंख्या असंतुलन एक महत्वपूर्ण विषय है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। कुरैशी ने कहा, "लोग मेरी किताब 'पॉपुलेशन मिथ-इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' का जिक्र कर रहे हैं, जिसे मुझे हाल ही में श्री भागवत के सामने पेश करने का मौका मिला, जहां मैंने संक्षेप में इसके केंद्र बिन्दुओं का जिक्र किया।" कुरैशी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि आरएसएस प्रमुख ने "मेरी बात ध्यान से सुनी।" पूर्व नौकरशाह ने कहा, "मुझे लगता है कि श्री भागवत का भाषण काफी व्यापक और संतुलित था। उन्होंने किसी विशेष समुदाय पर उंगली नहीं उठाई। उन्होंने जनसंख्या बहस के दोनों आयामों-बोझ या परिसंपत्ति का उल्लेख किया।" कुरैशी उन मुस्लिम बुद्धिजीवियों में से थे, जिन्होंने हाल ही में भागवत से सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने के लिए मुलाकात की थी। जनसंख्या नीति पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि देश पहले ही प्रतिस्थापन दर हासिल कर चुका है।

कर्नाटक में अंदरूनी झंझावातों से जूझ रही है भाजपा, खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने से और बढ़ सकती हैं दिक्कतें

नई दिल्ली। कर्नाटक में बीते साल नेतृत्व परिवर्तन के बाद अंदरूनी झंझावातों से जूझ रही भाजपा के लिए प्रमुख विरोधी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे के आने से दिक्कतें बढ़ सकती हैं। खड़गे कर्नाटक के वरिष्ठ नेता हैं और दलित समुदाय से आते हैं। उनके कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का असर देशभर की राजनीति पर तो पड़ेगा ही, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित कर्नाटक की ही राजनीति होगी।कर्नाटक में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए चुनौती बढ़ने लगी है। बीते साल भाजपा नेतृत्व ने राज्य के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा की जगह बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। बोम्मई पूरे साल पार्टी में सभी लोगों को साथ लाने की मुहिम में जुटे रहे। उनके कई दिल्ली दौरे भी हुए। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भी कई बार राज्य के मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ा। अब जबकि विधानसभा चुनाव चार महीने दूर है तब पार्टी के लिए एक और दिक्कत कांग्रेस के घटनाक्रम से बढ़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ह्यभारत जोड़ोह्न यात्रा भी कर्नाटक से होकर गुजर रही है और उसका भी राजनीतिक असर पड़ेगा। राहुल गांधी की यात्रा जिन क्षेत्रों से गुजर रही है उनमें अधिकांश में अभी भाजपा के सांसद हैं। इसके बाद मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की हालत में स्थितियां और ज्यादा बदलेंगी। खड़गे लंबे समय तक कर्नाटक की राजनीति में रहे। हालांकि, उनको मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं मिला। लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में आने के बाद वह संसद के दोनों सदनों में कांग्रेस के नेता रहे हैं। अब पार्टी अध्यक्ष बनने की स्थिति में उनका कद और ज्यादा बढ़ जाएगा।कर्नाटक की लगभग 23 फीसदी आबादी दलित है और राज्य की 35 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। बीते चुनाव में भाजपा को दलित समुदाय का लगभग 40 फीसदी समर्थन मिला था, जबकि कांग्रेस के हिस्से में 37 फीसदी रहा था। लेकिन अब यह कांग्रेस के पक्ष में जा सकता है। ऐसे में भाजपा के लिए दिक्कतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, भाजपा राज्य के दो ताकतवर समुदायों लिंगायत और वोक्कालिगा को साधने में जुटी हुई है। लिंगायत समुदाय के बड़े नेता येदियुरप्पा माने जाते हैं और भाजपा के मौजूदा मुख्यमंत्री बोम्मई भी इसी समुदाय से आते हैं। इसके अलावा पार्टी की केंद्रीय मंत्री शोभा करन्दलाजे वोक्कलिगा समुदाय से आती हैं। भाजपा इन दोनों समुदायों के साथ दलित समुदाय को भी मजबूती से अपने साथ जोड़े रखना चाहती है। क्योंकि दूसरी तरफ कांग्रेस भी येदियुरप्पा के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भाजपा के अंदरूनी झगड़ों का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। अब खड़गे का राष्ट्रीय नेतृत्व में आना उसके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

नर्सिंग और पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं के लिए योगी सरकार चलाएगी अभियान

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नर्सिंग और पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं के नर्सिंग व पैरामेडिकल प्रशिक्षण में सुधार करने, प्लेसमेंट और कॅरिअर काउंसलिंग के लिए मिशन निरामया की शुरूआत 8 अक्तूबर से करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को एसजीपीजीआई के कन्वेन्शन सेंटर में किया गया है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्यमंत्री चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मयंकेश्वर शरण सिंह मौजूद रहेंगे। मिशन निरामया अभियान के दौरान नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रशिक्षण में भविष्य के हिसाब से परिवर्तन किया जाएगा। अभियान के तहत नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्याप्त शिक्षक, सेवारत शिक्षकों का आधार सत्यापन पर फोकस किया जाएगा। वहीं परीक्षाओं की सीसीटीवी से निगरानी और कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी समेत अन्य पहलुओं पर विचार किया जाएगा। इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। अभियान में बेहतर सेवायोजन पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल से संवाद कर नीति तय करने की दिशा में कार्ययोजना तय की जाएगी।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

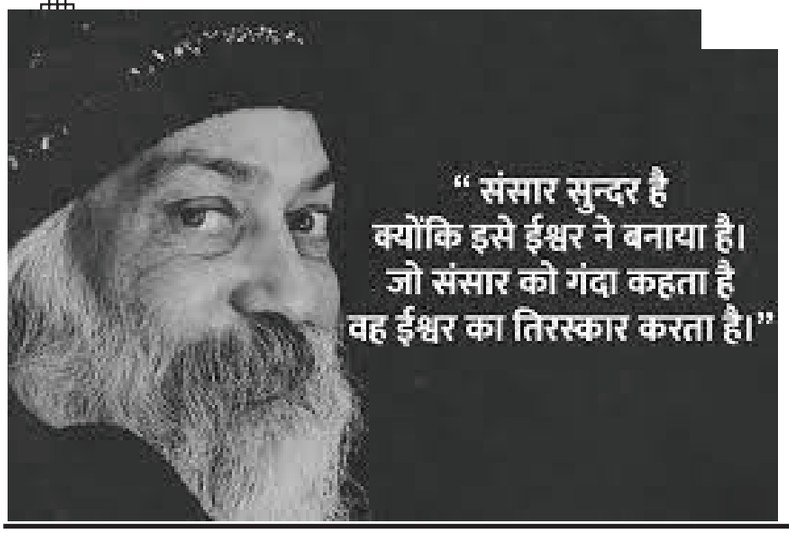

तुम पहले भी होओगे। मेरे अनजाने मिले। मिलते तो तुम पहले भी रहे होओगे, क्योंकि तुम्हारे बिना जीवन कहां? बहे तो तुम पहले भी मेरी सांसों में होओगे, लेकिन मैं सोया था। आए तो तुम बहुत बार मेरे द्वार पर होओगे, क्योंकि कैसे तुम मुझे भूल सकते हो? मैं तुम्हारा ही हूं। कितना ही दूर भटक गया होऊं, तुमने छाया की तरह मेरा पीछा किया होगा। लेकिन मुझे तुम्हारी पहचान न थी। न मालूम कितने रूपों में तुम आए होओगे। मैंने रूप तो देखे, लेकिन तुम्हें न देख पाया। फूल में तुम हंसे होओगे। मुझे दिखाई न पड़ा मैं अंधा था। वृक्ष में तुम खिले होओगे, मैं गाफिल था। मनुष्यों की आंखों में तुमने झांका होगा मेरी तरफ, लेकिन मैंने सिर्फ समझा कि मनुष्यों की आंखें हैं। इसलिए कबीर कहते हैं, जो अब कै प्रीतम मिलें। वे यह नहीं कहते कि यह मिलन कोई पहली दफा होने वाला है। वे यह नहीं कहते कि यह मिलन नया है। **जारी...**

रात में दूध और चावल खाने से सेहत को मिलते हैं 5 जबरदस्त फायदे

क्योंकि यह हल्का भोजन है और पचने में भी आसान होता है। वहीं रात में सोने से पहले दूध का सेवन भी सभी करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, आप अलग-अलग समय पर इनका साथ में सेवन करने के बजाए, दूध और चावल का साथ में भी सेवन कर सकते हैं? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! दूध और चावल का कॉम्बिनेशन न सिर्फ खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है, बल्कि इससे सेहत को कई लाभ मिलते हैं। आपको बता दें, कि हम खीर खाने के बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि उबले चावलों को दूध में मिलाकर खाने फायदों के बारे में बता रहे हैं।यह कॉम्बिनेशन सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है या दूध और चावल खाने के फायदे क्या होते हैं. इसके विषय पर अधिक जानकारी के लिए हमने क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट और डायटीशियन गोयल से बात की। उनकी मानें तो चावल और दूध का कॉम्बिनेशन सेहत के लिए बहुत लाभकारी साबित हो सकता है, खासकर अगर आप रात के खाने या डिनर में इसका सेवन करें। इस लेख में हम आपको दूध और चावल खाने के 6 फायदे बता रहे हैं। डायटीशियन गरिमा की मानें तो दूध और चावल दोनों ही पोषक तत्वों का पावरहाउस हैं। दूध में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन बी, डी जैसे जरूरी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं। वहीं चावल डाइट्री फाइबर

का बेहतरीन स्रोत हैं। वहीं पके हुए चावल भी थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, विटामिन बी 5, 6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, मैंगनीज, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक और सोडियम से भरपूर होते हैं। यह कॉम्बिनेशन न सिर्फ शरीर को जरूर पोषण प्रदान करने में मदद करता है, बल्कि अनेक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। यहां नीचे दूध और चावल खाने के कुछ फायदे बताए गए हैं.....1. नींद आती है अच्छीः रात में चावल और दूध का सेवन करने से आपको रात में नींद अच्छी आती है, यह मस्तिष्क को शांत करता है और आपको आरामदायक महसूस कराता है।2. हड्डियां बनाए मजबूतः कैल्शियम से भरपूर यह कॉम्बिनेशन हड्डियों के लिए बहुत लाभकारी है। यह हड्डियों को मजबूत बनता है और जोड़ों में दर्द आदि की समस्या को दूर करता है। साथ ही इससे हड्डियों में फ्रेक्चर के जोखिम को भी कम करता है।3. ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैः दांतों को मजबूत बनाने के साथ ही, दूध और चावल का कॉम्बिनेशन मसूड़ों को मजबूत और उन्हें टाइट रखने में फायदेमंद है।4. पेट के लिए फायदेमंद हैः फाइबर से भरपूर होने के कारण यह कॉम्बिनेशन डाइजेशन को बेहतर बनाने और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए बहुत लाभकारी है। दस्त की समस्या में दूध और चावल खाने से बहुत लाभ मिलता है।5. पेट रहता है भराः लोगों को डिनर के बाद रात में कुछ न कुछ खाने की क्रेविंग होती है, दूध और चावल खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और आपको रात में भूख नहीं लगती है। इससे वजन भी कंट्रोल रहता है।

6. ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता हैः कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर यह कॉम्बिनेशन ब्लड प्रेशर कंट्रोल में बहुत सहायक है। ये सभी पोषक तत्व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

पीकू वाला जादू बिखेर पाएगी अमिताभ-रश्मिका की गुडबाय?

सोशल मीडिया क्रश रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा द राइज से धमाका करने के बाद अब बॉलीवुड में भी डेब्यू करने जा रही हैं। गुडबाय से रश्मिका हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करेंगी। इस फिल्म की खास बात यह है कि रश्मिका के अलावा गुडबाय में अमिताभ बच्चन भी हैं। फिल्म की कहानी एक फैमिली ड्रामा है, जो आज की मॉडर्न पीढ़ी को टारगेट करती है। गुडबाय 7 अक्टूबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब देखने वाली बात होगी कि फिल्म बॉक्स

ऑफिस पर फिल्म क्या कमाल करती है। बॉक्स ऑफिस पर पहले से ही विक्रम वेधा और पोन्नियिन सेल्वन का कब्जा है और बुधवार को चिरंजीवी व सलमान खान स्टारर गॉडफादर भी रिलीज हो गई है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ा मुकाबला चल रहा है और इनसे गुडबाय भी भिड़ने वाली है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना बाप-बेटी के किरदार में हैं और दोनों के प्यार व नोकझोंक भरे रिश्ते के इर्द-गिर्द फिल्म घूमती है। इसी तरह की कहानी के साथ इससे पहले फिल्म पीकू रिलीज हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण थे। पीकू ने बॉक्स ऑफिस पर 5.30 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी, लेकिन गुडबाय को लेकर इतनी ज्यादा कलेक्शन की उम्मीद नहीं है क्योंकि एक तरफ बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा मुकाबला है तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर बायकॉट बॉलीवुड का ट्रेंड चल रहा है। ऐसे में लगभग 700 स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली गुडबाय के 1 से 2 करोड़ के बीच ओपनिंग करने की उम्मीद है। वहीं, वीकेंड यानी फिल्म पहले तीन दिन में फिल्म 5 से 6 करोड़ का नेट कलेक्शन भी कर सकती है।

गुडबाय को क्वीन और सुपर 30 जैसी फिल्में बना चुके विकास बहल ने डायरेक्ट किया है और उन्होंने ही फिल्म की कहानी भी लिखी है।

टीम इंडिया ने छूआ 100 का आंकड़ा, श्रेयस अय्यर ने जड़ा अर्धशतक

नई दिल्ली: भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जा रहा है। बारिश के कारण खेल देरी से हुआ, 40-40 ओवर के इस मैच में भारत के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। खबर लिखे जाने तक भारत ने 26.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 118 रन बना लिए हैं। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाजी करने शिखर धवन और शुभमन गिल आए। भारत को पहला झटका शुभमन गिल के रूप में लगा।

रबाडा की गेंद पर शुभमन गिल 7 गेंदों पर 3 रन बनाकर क्लीन बोल्ड आउट हुए। वहीं, भारत को दूसरी झटका छठा ओवर में लगा। वेन पॉर्नेल ने शिखर धवन को आउट किया। भारत को तीसरा झटका ऋतुराज गायकवाड़ के रूप में लगा। तबरेज शम्सी की गेंद पर ऋतुराज गायकवाड़ स्टंप आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ 42 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुए। 18वें ओवर में स्पिनर केशव महाराज ने ईशान किशन को आउट कर दिया। ईशान किशन 37 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हुए। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम की तरफ से क्विवंटन डीकॉक और जानेमन मलान ने पारी की शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। शार्दूल ठाकुर ने साउथ अफ्रीका को पहला झटका दिया। उन्होंने मलान को 22 रनों के निजी स्कोर पर श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया।

साउथ अफ्रीका का दूसरा विकेट भी शार्दूल ने आउट किया। उन्होंने बावुमा को 8 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। जल्द ही साउथ अफ्रीका को एक और झटका लगा जब कुलदीप ने इन फॉर्म बल्लेबाज मार्करम को बिना खाता खोले आउट कर दिया। चौथे विकेट के रूप में क्विंटन डीकॉक आउट हुए। उन्हें 48 रन के निजी स्कोर पर रवि बिश्नोई ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक जड़ दिया है। डेविड मिलर ने 63 गेंदों पर 75 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 65 गेंदों पर 74 रन बनाए। बारिश के कारण मैच 40-40 ओवर का कर दिया गया है।

कुलदीप यादव ने बीच मैच में डेविड मिलर को किया स्लेज

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जा रहा है। बारिश की वजह से खेल देरी से शुरू हुआ। यह मैच 40-40 ओवर का खेला जा रहा है। इस मैच में भारत के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर 249 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक जड़ दिया है। डेविड मिलर ने 63 गेंदों पर 75 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 65 गेंदों पर 74 रन बनाए। इस मैच में भारत की ओर से गेंदबाजी करते हुए कुलदीप यादव ने इन फॉर्म बल्लेबाज मार्करम को बिना खाता खोले आउट कर दिया। वहीं मैच के 24वें ओवर में कुलदीप की गेंद पर डेविड मिलर ने स्वीप शॉट के जरिए चौका जड़ दिया।

वहीं, जब मिलर चौका मारने के बाद दो रन लेने के लिए दौड़ रहे थे तो नॉन स्ट्राइक एंड पर कुलदीप ने उन्हे कुछ कहा। हालांकि कुलदीप ने मिलर को क्या कहा इसका पता लगा पाना काफी मुश्किल है लेकिन इस बातचीत की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें कि टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम की तरफ से क्विवंटन डीकॉक और जानेमन मलान ने पारी की शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 49 रन की अच्छी साझेदारी की। शार्दूल ठाकुर ने भारत की तरफ से पहला विकेट लिया।

भारत को डेथ ओवर्स के गेंदबाज की तलाश, भज्जी ने कहा- भुवनेश्वर की जगह इन्हें देना चाहिए मौका

नई दिल्ली: भारत और पाकिस्तान के बीच पिछली द्विपक्षीय सीरीज से भुवनेश्वर कुमार के पदार्पण को एक दशक हो चुका है, लेकिन यह कल की ही बात लगती है। भुवनेश्वर के अंतरराष्ट्रीय करियर की दूसरी ही दनदनाती गेंद से सलामी बल्लेबाज नासिर जमशेद को परेशान किया और फिर उनके स्टंप उखाड़ दिए थे। लेकिन पिछले दो वर्षों में वह इस तरह की गेंद नहीं फेंक पाए हैं। वह कुछ अच्छे ह्यस्पैलह्ल डालते हैं, लेकिन अच्छी टीमों के खिलाफ यह करिश्मा या ह्यएक्स फैक्टरह्ल दिखना बंद हो गया। उन्होंने 78 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिसमें उनका इकोनोमी रेट 7.02 ठीक ही लगता है लेकिन वह अंतिम ओवरों की जिम्मेदारी संभालने में इतने सफल नहीं रहे हैं। भुवनेश्वर ने 2021 के बाद से भारत के लिए 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें केवल 15 विकेट ही मिले हैं। चिंता सिर्फ इतनी ही नहीं है बल्कि सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उन्होंने अंतिम ओवरों (17वें से 20वें ओवर के बीच) में 159 गेंद फेंकी हैं जिसमें उन्होंने 10.03 के इकोनोमी रेट से 266 रन लुटाए हैं। उन्होंने 23 अतिरिक्त रन दिए हैं, लेकिन इन 23 पारियों में उनके खिलाफ 20 चौके और 12 छक्के लगे हैं। ये आंकड़े संतोषजनक कतई नहीं हैं, बल्कि डराने वाले हैं क्योंकि टी-20 विश्व कप में वह भारतीय

गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ होंगे और इसमें टीम प्रबंधन अब भी मोहम्मद शमी के फिट होने के संबंध में निश्चित नहीं हैं।

वर्ष 2007 विश्व कप टीम के सदस्य रह चुके हरभजन सिंह को लगता है कि मौजूदा फार्म और कौशल को देखते हुए दीपक चाहर को भुवनेश्वर पर तरजीह दी जानी चाहिए। वह मानते हैं कि टीम में दोनों को साथ रखने से आक्रमण थोड़ा ह्यएकतरफाह्ल दिखेगा। बल्कि हरभजन ने विश्व कप से पहले प्रत्येक गेंदबाज का विश्लेषण किया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति से भारतीय आक्रमण इतना प्रभावी नहीं होगा, इस पर उन्होंने कहा कि जस्सी (बुमराह) एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो अपनी ह्यब्लाकहोलह्ल गेंदों में सटीकता की वजह से ह्यपिच के फायदे-नुकसानह्ल के समीकरण को बाहर कर सकता है। यार्कर डालने के लिए आपको ऐसा कौशल चाहिए होता है जिसका पिच से कोई लेना देना नहीं होता।

उन्होंने कहा कि जस्सी की गेंद ह्यहिटह्ल भी होती हैं लेकिन ऐसा 10 गेंद में से शायद दो बार ही होता है। इसलिए वह खास है। कोविड-19 के बाद शमी के उबरने पर निगरानी रखी जा रही है, और हरभजन को लगता है

अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी देने वाला बिहार से गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस ने उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को धमकी देने वाले को बिहार से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस की एक टीम बुधवार आधी रात के करीब दरभंगा जिले से एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर मुंबई लाई है। प्रेट्र के मुताबिक, मुंबई के एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में बुधवार को दो अज्ञात फोन आए। यहां अज्ञात कालर ने दक्षिण मुंबई में अंबानी के आवास ह्यएंटीलियाह्ल के साथ रिलायंस अस्पताल को भी उड़ाने की धमकी दी। फोन करने वाले ने उद्योगपति और उसके परिवार के सदस्यों को भी धमकी दी

थी।उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी के साथ ही उनके रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल (आरएफएच) को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस धमकी के बाद अंबानी के मुंबई स्थित घर एंटीलिया की सुरक्षा जांच की गई थी। दक्षिण मुंबई स्थित सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में बुधवार की दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब अस्पताल को पांच मिनट तक फोन काल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी दी गई। साथ ही, अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। उसके बाद शाम को 5.04 बजे फिर से अस्पताल के काल सेंटर में फोन करके धमकी दी गई। ऐसी धमकियां अंबानी परिवार को इसी साल 50 दिनों के अंदर दूसरी बार दी गईं हैं।मुंबई में जोन-2 के डीसीपी नीलोत्पल ने बताया कि फोन पर धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है। अस्पताल और एंटीलिया में सुरक्षा कड़ी करने के साथ ही एंटी-सैबोटाज चेकिंग भी की गई है। पुलिस के मुताबिक फोन काल एक अज्ञात नंबर से आया था। फोन करने वाले ने अंबानी परिवार के कुछ सदस्यों का नाम लेकर जान से मारने की धमकी दी। फोन करने वाले ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी व आरएफएच की संस्थापक व चेयरमैन नीता अंबानी और दोनों बेटों आकाश और आनंद को भी जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने कहा कि घटना में अपराध डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।इसके पहले भी इसी साल अगस्त में रिलायंस फाउंडेशन के इस अस्पताल के लैंड लाइन पर फोन किया गया था और अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में पुलिस ने बोरीवली के एक आरोपित ज्वैलर को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं होने की दलील पर उसे जमानत पर छोड़ दिया गया था। फरवरी, 2021 में अंबानी के घर एंटीलिया के पास खड़ी एक एसयूवी में विस्फोटक मिला था।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For
Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net